P4M: बहुपक्षवाद की खामोश गठजोड़ — UNGA के मंच से नई पहल, चुनौतियाँ और राह

अंतर्राष्ट्रीय | बहुपक्षवाद • UN सुधार • वैश्विक शासन • GS-II | समाचार-संदर्भ: 3 नवंबर 2026 | प्रकाशन: 4 नवंबर 2026



Original symbolic image: pcsmantra.com

मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

81वें संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) सप्ताह (सितंबर 2026, न्यूयॉर्क) में शुरू हुई पहल **"Partners for Multilateralism, International Law, Peace and Prosperity" (P4M)** बहुपक्षवाद के दबाव के दौर में एक "खामोश परंतु रचनात्मक" गठजोड़ है। **ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, बारबाडोस, कनाडा, यूरोपीय संघ, भारत और केन्या** के सह-प्रायोजन में बनी इस घोषणा पर **18 और देशों** ने हस्ताक्षर किए — उद्देश्य बहुपक्षीय सहयोग, संस्थाओं और विधि-शासन को मजबूत करना।

P4M क्यों मायने रखता है

बहुपक्षवाद आज गंभीर दबाव में है: व्यवस्था के प्रमुख संस्थापक और दीर्घकालीन गारंटर **अमेरिका अब शब्द और कर्म से उसे अस्वीकार कर रहा** है; अन्य बड़े खिलाड़ी भी नियम तोड़ रहे हैं। ऐसे समय में समर्थन की घोषणा स्वागतयोग्य — और दोगुनी तब, जब समूह में **वैश्विक उत्तर और दक्षिण दोनों के बड़े-छोटे देश** हों। घोषणा की भाषा सुधार-उन्मुख भी है: "खुला, निष्पक्ष, समतावादी, समावेशी, नेटवर्क-आधारित और व्यावहारिक" बहुपक्षीय सहयोग का संकल्प।

शक्ति-संतुलन का बदलाव

दशकों तक विकासशील देशों को संस्थाओं को "निष्पक्ष, समतावादी, समावेशी" बनाने की मांग पर उपदेश मिलते रहे कि व्यवस्था ठीक चल रही है। आज **वैश्विक उत्तर के कुछ हिस्सों में सुधार-एजेंडा के लिए ग्रहणशीलता** बढ़ी है — पश्चिमी लोकतंत्रों के आंतरिक उथल-पुथल, ट्रांस-अटलांटिक साझेदारी की कमजोरियाँ और **वैश्विक दक्षिण के बढ़ते दबदबे** के कारण। P4M इस बदलते शक्ति-संतुलन को पहचानता है।

आगे की राह: तीन परीक्षाएँ

विफल हुई पहलों की सूची में शामिल होने से बचने के लिए: **(1)** घोषणाएँ "सस्ती बात" बन सकती हैं — **ठोस कार्य-योजना, लागत और उसके वितरण** पर काम तुरंत शुरू हो; **(2)** सुधारित बहुपक्षवाद के **सिद्धांतों पर स्पष्टता** चाहिए, और चीन की चार वैश्विक पहलों (Global Initiatives) जैसे समान प्रयासों से खुद को कैसे अलग करेगा, इस पर गंभीर विचार; **(3)** प्रभावित जनता को साथ लिए बिना सुधार-प्रयास जनरोष झेलते हैं — बहुपक्षवाद घरेलू लोकलुभावनवाद का आसान निशाना है, इसलिए **जन-संपर्क अनिवार्य**।

गहन पारिस्थितिकी की संभावना

सदस्यता की विविधता **गहन पारिस्थितिकी (deep ecology) और अंतर-प्रजाति सह-अस्तित्व** पर वैकल्पिक विचारों का भंडार दे सकती है; वैश्विक विचारकों के साथ मिलकर P4M बहुपक्षवाद का ऐसा अद्यतन ढांचा बना सकता है जो **मानवता और ग्रह — दोनों** की अस्तित्वगत जोखिमों को घटाए।

परीक्षा के लिए महत्त्व

मुख्य परीक्षा (GS-II): बहुपक्षवाद पर दबाव और UN सुधार; भारत की बहुपक्षीय कूटनीति और वैश्विक दक्षिण की भूमिका; नियम-आधारित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था; छोटे-मध्यम देशों की पहलें।
प्रिलिम्स: P4M का पूर्ण रूप और सह-प्रायोजक (ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, बारबाडोस, कनाडा, EU, भारत, केन्या); 81वाँ UNGA (सितंबर 2026); हस्ताक्षरकर्ता संख्या।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

"बहुपक्षवाद के दबाव के दौर में P4M जैसी गठजोड़ें आशा की किरण हैं, पर सफलता घोषणा नहीं, क्रियान्वयन तय करेगा।" टिप्पणी कीजिए। (250 शब्द, 15 अंक)

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: बहुपक्षवाद के संकट में P4M जैसी छोटी-विविध गठजोड़ सुधार की दिशा दे सकती है, पर ठोस कार्य-योजना के बिना घोषणा सीमित रहती है।

मुख्य भाग में: संदर्भ: अमेरिका का नियम-व्यवस्था से मुकरना, अन्य शक्तियों का उल्लंघन; P4M की ताकत: उत्तर-दक्षिण मिश्रित सदस्यता, सुधार-उन्मुख भाषा; चुनौतियाँ: cheap talk, चीन की Global Initiatives से विभेदन, जन-संपर्क का अभाव; संभावना: deep ecology जैसे नए विचार-ढांचे; भारत की भूमिका।

निष्कर्ष में: बहुपक्षवाद की साख लागत-साझाकरण और सिद्धांत-स्पष्टता से ही लौटेगी — P4M के पास दिशा है, अब गति चाहिए।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. P4M के संदर्भ में निम्न कथनों पर विचार कीजिए:

कथन-I: P4M का शुभारंभ 81वें UNGA सप्ताह (न्यूयॉर्क, सितंबर 2026) में हुआ।
कथन-II: इसके सह-प्रायोजकों में भारत, ब्राजील, केन्या, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, बारबाडोस और यूरोपीय संघ शामिल हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल कथन-I

(b) केवल कथन-II

(c) कथन-I और कथन-II दोनों

(d) न तो कथन-I, न कथन-II

▼ उत्तर और व्याख्या
उत्तर: (c) — दोनों सही: P4M सितंबर 2026 के 81वें UNGA सप्ताह में लॉन्च हुआ और सात सह-प्रायोजकों के अलावा 18 अन्य देशों ने घोषणा पर हस्ताक्षर किए।

प्रश्न 2. "P4M" का विस्तारित रूप क्या है?

(a) Partners for Multilateralism, International Law, Peace and Prosperity

(b) Pact for Multilateral Peace and Mediation

(c) Partners for Monetary Policy and Markets

(d) Platform for Migration and Mobility

▼ उत्तर और व्याख्या
उत्तर: (a) — P4M = Partners for Multilateralism, International Law, Peace and Prosperity — बहुपक्षीय सहयोग, संस्थाएँ और विधि-शासन मजबूत करने का संकल्प।

स्रोत

1. इंडियन एक्सप्रेस (अमृता नार्लिकर): A quiet coalition for multilateralism (3 नवंबर 2026)